मैक्सिको के चिहुआहुआ शहर में एक छोटी सी दुकान है। जहां दुल्हन के कपड़े व अन्य वस्तुएं मिलती हैं। दुकान के शो केस में एक खूबसूरत, छरहरी आकृति दुल्हन की पोशाक में नज़र आती है। गत 90 सालों से "ला पॉपुलर" नाम की इस दुकान में रखे सजीव नज़र आते इस पुतले को जो भी देखता है हैरत में पड़ जाता है। पुतले की ज़र्द त्वचा, हाथों पर दिखती नसें, हथेली की सलवटें और नाखून देखकर बहुत से लोगों को यकीन है कि यह पुतला नहीं बल्कि बहुत ही अच्छी तरह से संरक्षित कोई शव है। "ला पास्क्युलीटा" नाम की यह मैनेक्विन पहले 25 मार्च 1930 को इस ब्राइडल स्टोर में नज़र आई थी। इसकी बड़ी चमकीली आंखें, लाल बाल, चमकती हुई त्वचा देखने वालों को आकर्षित कर लेती थीं। कुछ लोगों ने महसूस किया कि इस पुतले और स्टोर मालिक की मृत बेटी (जिसका तब कुछ अर्सा पूर्व ही निधन हुआ था) में बहुत सी समानताएं हैं। बस इसके बाद तो अफवाहों का बाज़ार गर्म हो गया। कहा जाता है कि, स्टोर की मालकिन पास्क्युला एस्पाज़ी की एक खूबसूरत बेटी थी, जो अपने प्रेमी से शादी करने जा रही थी, पर शादी के दिन ही उसे ज़हरीले ब्लैक विडो स्पाइडर ने काट लिया और उसकी मौत हो गई। बेटी की मौत से दुखी पास्क्युला ने अपनी बेटी के शव को संरक्षित करवाया और दुकान के शो केस में सजा दिया, ताकि वो सदा दुल्हन बनी रहे, क्योंकि जीते जी वह दुल्हन नहीं बन पाई थी। जैसे-जैसे यह अफवाह फैली स्थानीय लोग बहुत नाराज़ हो गए, स्टोर मालकिन को बुरा-भला कहने लगे। मालकिन ने इन आरोपों का खंडन किया व कहा कि यह बहुत ही उत्कृष्ट कोटि का पुतला है, पर किसी ने उसकी बात नहीं मानी। बाद के वर्षों में इस कहानी पर लोगों का यकीन और बढ़ गया तथा कई अन्य अफवाहें चल निकलीं। स्टोर का वर्तमान मालिक इन कहानियों को जिंदा रखना चाहता है। सप्ताह में दो बार पर्दा लगा कर उसके वस्त्र बदले जाते हैं तथा कुछ विश्वस्त नौकर ही यह काम करते हैं। इन कहानियों में यकीन करने वाले लोग पुतले को संत मानते हैं और दुकान के बाहर श्रद्धांजलि स्वरूप फूल रख जाते हैं, मोमबत्तियां जलाते हैं। दुकान मालिक मारिओ को यह प्रसिद्धी अच्छी लग रही है, इससे उसकी दुकान में भारी भीड़ लगी रहती है। पुतले के शो केस पर एक नोट पर लिखा "द होम ऑफ ला पास्क्युलीटा।"

'आज नहीं तो कल राहुल गांधी को अध्यक्ष पद के लिए तैयार होना होगा'

राज्य के मु.मंत्री अशोक गहलोत ने स्वयं को पार्टी का राष्ट्रीय अध्यक्ष बनाए जाने संबंधी सवाल को काल्पनिक बताते हुए यह बात कही

- **गहलोत ने कहा, मेरी अध्यक्ष बनने की कोई इच्छा नहीं है, ना ही मेरा अध्यक्ष बनना तय है, सिर्फ राहुल ही हैं जो मौजूदा हालात में भाजपा और मोदी का मुकाबला कर सकते हैं।**
- **गहलोत ने कहा, प्रदेश के अंदर मेरा जादू परमानेंट है, मैं परमानेंट जादूगर हूँ, मेरा जादू अपने आप चलता रहता है, बाकी जनता चुनाव हरवा देती है, उसमें हम क्या कर सकते हैं।**

जयपुर, 19 अगस्त (का.प्र.)। राहुल गांधी लगभग मन बना चुके हैं कि अब वे पार्टी अध्यक्ष नहीं बनेंगे। कांग्रेस अध्यक्ष पद के अन्य दावेदारों के जो नाम सामने आए हैं, उनमें राजस्थान के मुख्यमंत्री अशोक गहलोत का नाम भी शामिल है, लेकिन खुद गहलोत ने अपनी दावेदारी से इनकार करते हुए कहा है कि "मैं किसी भी स्थिति में अध्यक्ष नहीं बन रहा और यह काल्पनिक सवाल है।"

दिल्ली में मीडिया से बात करते हुए मुख्यमंत्री गहलोत ने कहा कि "मेरी अध्यक्ष बनने कोई इच्छा नहीं है और न ही मेरा अध्यक्ष बनना बनता है। पूरी पार्टी राहुल गांधी को अध्यक्ष बनाना चाहती है।" गहलोत ने कहा कि "देश भर में कांग्रेस के लाखों कार्यकर्ताओं को लगता है कि राहुल गांधी ही वो नेता हैं, जो वर्तमान परिस्थितियों में भाजपा और नरेंद्र मोदी से मुकाबला कर सकते हैं। मुझे अगर ऐसा लगता कि मेरे अध्यक्ष बनने से कोई बड़ा बदलाव आ सकता है, तो मैं ख़ुद इस बारे में बात करता, लेकिन अल्टीमेटली आज नहीं तो कल राहुल गांधी को अध्यक्ष पद संभालने के लिए तैयार होना होगा। अगर ऐसा नहीं हुआ तो कांग्रेस के कार्यकर्ता निराश होकर घर बैठ जाएंगे।" इसी के साथ जब गहलोत से यह पूछा गया कि यदि राहुल गांधी और सोनिया गांधी खुद उनसे अध्यक्ष बनने को कहे तो, इस पर गहलोत ने सिर्फ यही कहा कि यह एक काल्पनिक सवाल है।

राजस्थान के संदर्भ में गहलोत ने कहा है कि "प्रदेश के अंदर मेरा जादू परमानेंट है। मैं परमानेंट जादूगर हूं, मेरा जादू अपने आप चलता रहता है। मेरा जादू अलग तरह का जादू है, वो जादू देख लीजिए आप कि मुझे सेवा करने का लगातार अवसर मिला है। मेरा तो जिंदगी का मकसद है अंतिम सांस तक गरीब, असहाय की सेवा करना। जो गांधीजी ने कहा था उसमें सब आ जाते हैं। गरीब चाहे ब्राह्मण-वैश्य ही क्यों न हो, मैं गरीब के साथ खड़ा हूं। उससे संतोष मिलता है। सरकारें आईं और चली गईं, लेकिन मैं गरीबों के लिए खड़ा रहता हूं। मेरा रास्ता था, मैंने दोनों टर्म में शानदार गवर्नेंस दी, एक से बढ़कर एक स्कीम दी हैं। इस बार जनता कृपा करे हम पर, सरकार रिपीट करवाए।"

उन्होंने कहा कि गरीबों के लिए काम करने पर संतोष मिलता है, अच्छा लगता है, बाकी जनता चुनाव हरवा देती है, उसमें हम क्या कर सकते हैं। इस बार मैं चाहता हूं जनता हमें वापस जिताए, सरकार रिपीट करवाए। इतने हमने काम किए हैं, हर परिवार में हमारी कोई न कोई स्कीम पहुंच गई है। मुफ्त इलाज की सुविधा मिल गई, यह कम बात है क्या? नहीं है। पब्लिक से आव्हान करूंगा कि इस बार कृपा करो हम पर। सरकार बदलती है तो हमारी स्कीम्स बंद हो जाती हैं।

गहलोत ने महंगाई के खिलाफ प्रदर्शन के दौरान काले कपड़े पहनने को काला जादू कहने के प्रधानमंत्री मोदी के बयान पर कहा कि पीएम काले जादू की बातें करने लग गए, काला जादू आ गया है, काला जादू आ गया है। काला जादू है ये ? जादू-टोने हैं ? हम तो बचपन से ही जादू-टोने के खिलाफ रहे हैं। मैजिक अलग चीज है जिस पर मेरा विश्वास है। वो ट्रिक होती है और ये काला जादू जो होता है, ये जादू तो होता नहीं है।

मुख्यमंत्री गहलोत के इन बयानों को लेकर अपने अपने तरीके से सियासी मायने निकाले जा रहे हैं। कहा जा रहा है कि ऐसा कहकर अशोक गहलोत ने स्वयं को कांग्रेस अध्यक्ष पद की दावेदारी से अलग रखने का संदेश दे दिया है कि वे दिल्ली की राजनीति में नहीं जाना चाहते और राजस्थान में रहकर ही राजनीति करना चाहते हैं। वहीं यह भी कहा जा रहा है कि उन्होंने अपने नेतृत्व वाली राजस्थान सरकार की गुड गवर्नेंस की बातें अपने मुंह से करके कांग्रेस आलाकमान को एक बार फिर स्पष्ट रूप से संदेश देने का काम किया है कि वही सरकार चलाने में सक्षम हैं।

ग्रैच्युटी

जयपुर, 19 अगस्त (का.सं.)। राजस्थान गैर सरकारी शैक्षिक संस्था अधिकरण ने गैर अनुदानित शिक्षण संस्था के कर्मचारियों को भी ग्रैच्युटी पाने का हकदार माना है। इसके साथ ही अधिकरण ने शाह गोवर्धन लाल काबरा पब्लिक स्कूल, जोधपुर, की प्रबंध समिति को निर्देश दिए हैं कि, स्कूल से प्रधानाध्यापक पद से रिटायर हुए प्रेम सुख गौड़ के उत्तराधिकारियों को ग्रैच्युटी की राशि का भुगतान करे। अधिकरण ने यह आदेश प्रेम सुख के उत्तराधिकारियों के दावे पर दिए।

प्रार्थी पक्ष की ओर से अधिवक्ता डीपी शर्मा ने बताया कि, प्रेम सुख गौड़ को जुलाई 1977 में सहायक अध्यापक के तौर पर नियुक्ति मिली थी। उसके बाद जुलाई, 1981 में उन्हें पदोन्नत कर प्रधानाध्यापक बनाया गया।

- **राजस्थान गैर सरकारी शैक्षिक संस्था अधिकरण ने कहा है कि, गैर अनुदानित स्कूलों के कर्मचारी भी ग्रैच्युटी पाने के हकदार हैं।**

इसके बाद अगस्त, 2008 में वो इस पद से रिटायर हो गए। इसके बावजूद स्कूल प्रबंधन ने उन्हें ग्रैच्युटी राशि का भुगतान नहीं किया। अधिकरण को बताया गया कि गौड़ ने पांच साल से ज्यादा की सेवा अवधि पूरी की थी। ऐसे में, पेमैंट ऑफ ग्रैच्युटी एक्ट के तहत उन्हें ग्रैच्युटी पाने का अधिकार है। इसके जवाब में स्कूल प्रबंधन ने कहा कि सरकार से कोई अनुदान राशि नहीं मिलती है, ऐसे में गौड़ ग्रैच्युटी पाने का अधिकारी नहीं हैं। दोनों पक्षों को सुनने के बाद अधिकरण ने स्कूल प्रबंधन को ग्रैच्युटी राशि का भुगतान करने को कहा है।

गौरतलब है कि दावा पेश करने के कुछ माह बाद प्रेम सुख गौड़ की मौत हो गई थी। इस पर उनके आश्रितों ने दावे को जारी रखा था।

जयपुर में शुक्रवार को एक ही दिन में तीन सौ नए करोना संक्रमित मिले

इनमें सबसे ज्यादा 35 मरीज सांगानेर में और मानसरोवर में 30 नए संक्रमित सामने आए हैं

- **प्रदेश में पिछले चौबीस घंटों में 748 नए संक्रमित पाए गए हैं।**
- **राज्य में लगातार चौथे दिन भी शुक्रवार को करोना से दो और लोगों की मौत हुई है।**

-कार्यालय संवाददाता-

जयपुर, 19 अगस्त । राजधानी जयपुर में करोना संक्रमण के मामलों में बेतहाशा वृद्धि हो रही है। शुक्रवार को यहां एक ही दिन में तीन सौ के करीब नए संक्रमित मिले हैं। वहीं प्रदेशभर में 748 नए मरीज सामने आए हैं। इस बीच दो लोगों की मौत भी हुई है।

राजधानी जयपुर में शुक्रवार को 69 स्थानों पर 297 नए संक्रमित मिले हैं। इनमें सबसे ज्यादा 35 मरीज सांगानेर इलाके में पाए गए हैं। वहीं मानसरोवर में 30, मालवीय नगर में 15, जगतपुरा में 14, इंदिरा गांधी नगर में 12 और प्रताप नगर में 10 नए संक्रमित मिले हैं। इसके अलावा अन्य स्थानों पर इससे कम संख्या में रोगी पाए गए हैं।

उधर पिछले चौबीस घंटों में प्रदेश के 22 जिलों में 748 नए संक्रमित मिले हैं। इससे पहले गुरूवार को 803 रोगी पाए गए थे। आज अलवर में 94, अजमेर में 51, भरतपुर में 43, जोधपुर में 38, चित्तौडगढ़ में 34, सीकर में 30, सवाईमाधोपुर में 26, उदयपुर व दौसा में 22-22, नागौर में 19, भीलवाड़ा में 15, कोटा में 11, चूरू व जैसलमेर में 10-10, बांसवाड़ा में 7, झलावाड़ में 3, जालोर व पाली में 2-2, हनुमानगढ़ व सिरोही में एक-एक नया संक्रमित मिला है। इस बीच राज्य में जांच के लिए 24 हजार 327 सैम्पल लिए हैं।

राज्य में शुक्रवार को नए संक्रमितों के मुकाबले रिकवरी कम हुई है। इस दौरान 404 मरीज ठीक होने से एक्टिव केस बढ़कर 4407 हो गए हैं। इनमें सर्वाधिक 1494 मरीजों का जयपुर में इलाज चल रहा है। वहीं अलवर में 629, भरतपुर में 427 और उदयपुर में 330 एक्टिव केस मौजूद है।

प्रदेश में लगातार चौथे दिन शुक्रवार को भी करोना संक्रमण से हो रही मौतों का सिलसिला जारी रहा। इस दौरान झालावाड़ और प्रतापगढ़ में 1-1 संक्रमित की मौत हुई है। इसके साथ ही राज्य में अब तक इस बीमारी से 9603 लोगों की मृत्यु हो चुकी है।

''गैर स्थानीय...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

बढ़ाया गया जिससे यहां की कुल विधानसभा सीटों की संख्या 46 से बढ़कर 47 हो गई।

मतदाता सूची में प्रस्तावित बदलावों ने राज्य के नेताओं को परेशान कर दिया है। पूर्व मुख्यमंत्री महबूबा मुफ्ती ने इस कदम को "क्षेत्र के चुनावी लोकतंत्र के ताबूत में आखिरी कील" की संज्ञा दी। एक अन्य पूर्व मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्लाह ने भाजपा पर "चुनाव जीतने के लिए मतदाताओं को आयात करने का प्रयास करने" का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि भाजपा को जम्मू तथा कश्मीर के वास्तविक मतदाताओं से समर्थन की उम्मीद नहीं हैं।

इस मुद्दे पर जहां कश्मीर की राजनीतिक पार्टियों का गुस्सा और आक्रोश समझ में आता है, वहीं भाजपा के नेताओं को उम्मीद है कि भाजपा कश्मीर के निर्वाचन क्षेत्रों में बढ़त प्राप्त करेगी। भाजपा को कश्मीर घाटी में भी अपना खाता खुलने की उम्मीद है, जहां वह अब तक एक भी सीट नहीं जीत पायी है।

सी.बी.आई. ने दिल्ली के...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

एक्साइज़ कमिश्नर के घर पर भी रेड की गई। केजरीवाल सरकार ने गत माह आबकारी नीति रद्द कर दी थी क्योंकि नई दिल्ली के उप राज्यपाल ने इसे गलत पाया था और कहा था कि इस नीति के तहत दिए गए लाइसैंस सिर्फ एक माह अगस्त तक ही मान्य होंगे और सिर्फ सरकारी एजेंसियों को ही लाइसैंस देने की अनुमति दी जो एक सितम्बर से दुकानें चलाएंगी। हालांकि सी.बी.आई. की अधिकृत वेबसाइट पर छापों के बारे में कुछ नहीं कहा गया है, वेबसाइट पर आखिरी खबर 11 करोड़ रू. के सिक्कों में हुए कथित फ्राड से संबंधित केस की है।

आप नेताओं ने आरोप लगाया कि केन्द्र की भाजपा सरकार ने सिसोदिया के घर सी.बी.आई. की रेड करवाई है क्योंकि 18 अगस्त को न्यूयॉर्क टाइम्स के मुख पृष्ठ पर दिल्ली के एजुकेशन मॉडल को लेकर सकारात्मक खबर छपी थी। सिसोदिया दिल्ली के शिक्षा मंत्री होने के साथ आबकारी मंत्री भी है।

सी.बी.आई. की रेड से अप्रभावित केजरीवाल ने अपने मिस्ड कॉल अभियान की घोषणा की और लोगों से अपने नैशनल मिशन में शामिल होने का अनुरोध किया। दिल्ली के मुख्यमंत्री ने एक वीडियो संबोधन में कहा कि, देश का नम्बर वन बनाने के हमारे नैशनल मिशन में शामिल होने के लिए 9510001000 पर मिस कॉल दीजिए। आइए भारत को सबसे ऊपर ले जाएं। आप के प्रवक्ता संजय सिंह ने सी.बी.आई. एक्शन को प्रधानमंत्री की ओछी सोच बताया वही केजरीवाल ने सी.बी.आई. को पूर्ण सहयोग का आश्वासन दिया और कहा कि उन्हें उप मुख्यमंत्री के खिलाफ कुछ नहीं मिलेगा।

आप के राघव चड्डा ने कहा कि सी.बी.आई. को अपनी पिछली रेड्स में कुछ नहीं मिला और इस बार भी उसे उनके आवास पर पैन्सिल्स और ज्यॉमैट्री बाक्सेस के अलावा कुछ नहीं मिलेगा। उन्होंने कहा कि उसने अरविंद केजरीवाल के आवास पर छापा मारा था, लेकिन उसे वहां सिर्फ चार मफलर मिले। इस बीच, दिल्ली कांग्रेस अध्यक्ष अनिल कुमार ने बताया कि उनकी पार्टी ने बोगस कम्पनियों को शराब लायसैंसों के अवैध वितरण वाले करोड़ों के घोटाले को लेकर तत्कालीन पुलिस कमिश्नर राकेश अस्थाना को गत जून माह में पत्र लिखा था और नियमों के कथित उल्लंघन तथा प्रक्रियागत खामियों को लेकर पार्टी ने सिसोदिया के इस्तीफे की मांग करते हुए कई विरोध प्रदर्शन भी किए थे। सी.बी.आई. ने अपने छापों की सूचना शाम को लीक करते हुए दावा किया कि अपने जनता के एक सेवक के आवास से नई आबकारी नीति से संबंधित दस्तावेजों की आधिकारिक गोपनीय फाइलें बरामद की गई हैं। उसने बताया कि इन्हें उनके आवास पर शायद नहीं रका जाना था। यद्यपि एजेंसी ने यह खुलासा नहीं किया कि जनता का वह सेवक कौन है, लेकिन सूत्र बताते हैं कि वह दिल्ली के पूर्व आबकारी आयुक्त अरावा गोपी कृष्ण हो सकते हैं जो इस सौदे में सिसोदिया के साथ शामिल थे।

नई आबकारी नीति में अनियमितताओं का पता लगाने वाली एक जांच रिपोर्ट के आधार पर इन छापों की अनुमति दिल्ली के उपराज्यपाल वी.के. सक्सेना द्वारा दी गई। सी.बी. आई. ने चार सरकारी सेवकों-सिसोदिया, दो आई.ए.एस. अधिकारियों और दिल्ली राज्य कैडर के एक अधिकारी के विरूद्ध एफ.आई.आर. दर्ज करने से पूर्व धारा 17 ए के अधीन सक्सेना से अनुमति प्राप्त की। एफ.आई.आर. में 15 के नाम: कथित आबकारी घोटाले में दर्ज एफ.आई.आर. में सिसोदिया सहित 15 जनों के नाम हैं। छापे ना केवल दिल्ली में बल्कि सात राज्यों और केन्द्र शासित प्रदेशों में मारे गए। उप राज्यपाल द्वारा सी.बी.आई. जांच की सिफारिश करने और इस मामले में 11 आबकारी अधिकारियों को निलम्बित करने के बाद आबकारी नीति संदेह के दायरे में आ गई थी। सिसोदिया ने स्वयं भी सी.बी.आई. जांच की मांग की थी।

अधिकारियों ने बताया कि दिल्ली के मुख्य सचिव द्वारा जुलाई माह में दायर एक रिपोर्ट के आधार पर सी.बी.आई. जांच की सिफारिश की गई थी। इस रिपोर्ट में जी.एन.सी.टी.टी. एक्ट 1991, ट्रांजैक्शन ऑफ बिजनैस रुल्स (टी.ओ.बी.आर.) 1993, दिल्ली एक्साइज़ एक्ट -2009 और दिल्ली एक्साइज़ रुल्स, 2010 का प्रथम दृष्ट्य उल्लंघन पाया गया था। इसी बीच, भाजपा सांसद गौतम गंभीर ने यह प्रशन करते हुए भाजपा पर प्रहार किया कि यदि आबकारी नीति इतनी ही साफ-सुथरी थी तो उसे वापस क्यों लिया गया? उन्होंने कहा कि "क्योंकि केजरीवाल जानते थे कि उनकी कलई खुलने वाली है।" जब आप कर दाताओं का करोड़ों रुपया लूट चुके हैं और आपने शराब माफिया के साथ बैठकर आबकारी नीति बनाई है तो आप की जगह अन्य कहीं नहीं बल्कि जेल में है।"

'मीरवाइज़ ना तो नज़रबंद और ना ही हिरासत में'

श्रीनगर 19 अगस्त (वार्ता)। जम्मू-कश्मीर के उप-राज्यपाल मनोज सिन्हा ने कहा है कि कश्मीरी अलगाववादी नेता मीरवाइज़ उमर फारुक नजरबंद नहीं है।

सिन्हा ने बीबीसी से कहा कि उमर फारुक घर में कैद नहीं है। एक दुर्भाग्यपूर्ण घटना में उनके पिता की मौत हो गई थी इसलिए उनकी सुरक्षा के लिए पुलिस कर्मी उनके पास रहते हैं। उन्होंने कहा कि मीरवाइज न तो गिरफ्तार है और न ही हिरासत में हैं। उन्हें यह निर्णय करना चाहिए कि वह क्या चाहते हैं। उन्होंने कहा कि 2019 में भी मीरवाइज़ फारुक को जन सुरक्षा अधिनियम के तहत हिरासत में नहीं लिया गया था।

'मछलियों का कोविड टैस्ट करो...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

अब आकर महामारी का प्रसार कुछ कम हुआ है क्योंकि चीन सरकार ने वहाँ अपनी सारी ताकत लगा दी है। लेकिन महामारी अनेकानेक बड़े नगरों तथा आर्थिक गतिविधि के केन्द्रों में फैल रही है। मुफ्त आवागमन को सीमित एवं नियंत्रित रखने के सरकारी प्रयासों के कारण अर्थव्यवस्था को जबरदस्त नुकसान पहुँच रहा है।

निरन्तर चल रही "ज़ीरो-कोविड पॉलिसी" के दुष्प्रभावों के चलते, चीन की आर्थिक ग्रोथ जबरदस्त रूप से घटती जा रही है। आर्थिक ग्रोथ, जो पहले 5:2 प्रतिशत तय की गई थी, को संशोधन के पश्चात घटाकर इस समय 3:2 प्रतिशत कर दिया गया है। लेकिन वस्तुस्थिति यह है कि इतनी कम ग्रोथ भी अनिश्चित दिखाई दे रही है क्योंकि देश के बहुत बड़े हिस्सों में माँग घटती जा रही है।

इसे कोढ़ में खाज ही कहा जायेगा कि खरीदारों द्वारा "मॉर्गेज पेमेन्ट्स" का राष्ट्रव्यापी बहिष्कार भी इस समय कोविड-संक्रमण की तरह ही जबरदस्त रूप से बढ़ता जा रहा हैं और इसके चलते, अर्थ-तंत्र बिल्कुल डगमगा रहा है। खरीदारों ने मकान-निर्माण कम्पनियों को भुगतान करने के लिये बैंकों से कर्ज ले लिया था, लेकिन चूँकि उनको घर नहीं मिले हैं, इसलिये कर्जदारों ने मॉर्गेज की बकाया राशि चुकाने से इंकार कर दिया है।

बैंकों से ऋण लेने वालों का यह कदम कई बैंकों के अस्तित्व के लिये चुनौती बन गया है तथा बैंकों के डूबने से लोगों की निजी बचतें भी डूब जायेंगी।

हो सकता है कि चीन का यह कदम हास्यास्पद लगे, लेकिन पकड़ी गई जीवित मछलियों की कोविड-जाँच कराने की चीन की कोशिशें कोविड-संक्रमण के सिद्धांत पर ही आधारित हैं।

चीनी लोगों का मानना है कि कोविड वायरस उन मछलियों तथा मछुआरों के द्वारा फैल रहा है जो इस व्यवसाय से जुड़े अन्य लोगों एवं व्यापारियों के सम्पर्क में आ रहे हैं।

चीन का मानना है कि मछलियों की शीतलन प्रक्रिया कोविड महामारी के लिये जिम्मेदार है तथा पैकेजिंग का ठंडा वातावरण कोविड वायरस को पोषित कर रहा है।

दुनिया के किसी भी अन्य देश में यह विचार न तो मान्य है और न इसके अनुरूप आचरण ही किया जाता है। विशेषज्ञों का कहना है कि इस सिद्धांत को मानने का न तो कोई आधार है और न आँकड़े ही इसकी पुष्टि करते हैं।

कोविड को फैलने से रोकने के मामले में चीन की हताशा की स्थिति दिन-पर-दिन बढ़ती ही जा रही है। ऐसा प्रतीत हो रहा है कि इसके प्रसार को रोकने का कोई उपाय नहीं है।

खासतौर से, चीन "ज़ीरो-कोविड पॉलिसी" के कारण आम जनता इससे बचाव के सहज उपाय एवं साधन भी नहीं अपना पा रही है। और इसका नतीजा यह हुआ है कि जहाँ भी कोविड पहुँच गया है, वहाँ यह आँधी-तूफान का रूप ले रहा है।

जलवायु परिवर्तन से सारस पर संकट मंडरा रहा है

माना जा रहा है कि मानसून की लेट लतीफी के कारण सारस पक्षी का प्रजनन बुरी तरह प्रभावित हो सकता है

- **देश में सारस की कुल आबादी का 70 फीसदी यूपी में निवास करता है। इसके साथ ही देश के जम्मू कश्मीर, हिमांचल प्रदेश, पंजाब, हरियाणा, उत्तराखंड, मध्य प्रदेश, महाराष्ट्र, गुजरात, राजस्थान में भी कहीं कहीं यह निवास करते हैं।**
- **भारत के अलावा नेपाल, पाकिस्तान, चाइना, म्यानमार, कम्बोडिया, थाईलैंड, वियतनाम व आस्ट्रेलिया में भी सारस पाए जाते हैं । सैफई के निकट समान कटरा वैटलैण्ड क्षेत्र में सारस विश्व में सबसे अधिक संख्या में पाए जाते हैं। यही कारण है कि सैफई में सारस पर विश्व स्तर की कॉन्फ्रेंस आयोजित की गई।**

इटावा, 19 अगस्त (वार्ता)। उत्तर प्रदेश के इटावा में अमर प्रेम के प्रतीक सारस पक्षी का प्रजनन जलवायु परिवर्तन के कारण बुरी तरह से प्रभावित होने का अनुमान लगाया जा रहा है ।

सारस पक्षी की गणना करने वाली पर्यावरणीय संस्था सोसायटी फॉर कंजर्वेशन ऑफ नेचर के चेयरमैन डा.राजीव चौहान ने यूनीवार्ता से बातचीत में कहा कि मानसून की लेट लतीफी के चलते सारस पक्षी के प्रजनन के बुरी तरह से प्रभावित होने का अंदेशा लगाया जा रहा है। सामान्यता जुलाई में सारस के अंडे धान के खेतो में दिखने लगते थे लेकिन इस दफा यह नजर नही आ रहे है। उन्होंने बताया कि वो और उनकी टीम दो महीने के सर्वे करने मे जुटी हुई है जहॉ केवल तीन या चार नेस्ट ही मिले है। उनकी संस्था वन विभाग के सहयोग से पिछले 20 सालो से सारस गणना का काम करने मे जुटे हुए है लेकिन पहली दफा ऐसे हालत नजर आते हुए दिख रहे है। इस पहले इस अवधि मे कम से कम 60 नेस्ट देखने को मिल जाया करते थे । पिछले साल 45 के आसपास नेस्ट मिले थे इस दफा अभी तक मात्र 4 या 5 ही नेस्ट मिले है। उनका उम्मीद जतायी कि सितंबर मध्य तक हालात कुछ बेहतर हो सकते है।

देश में सारस की कुल आबादी की 70 फीसदी यूपी में निवास करती है। इसके साथ ही देश के जम्मू कश्मीर, हिमांचल प्रदेश, पंजाब, हरियाणा, उत्तराखंड, मध्य प्रदेश, महाराष्ट्र, गुजरात, राजस्थान में भी कहीं कहीं यह निवास करते हैं। भारत के अलावा सारस नेपाल, पाकिस्तान, चाइना, म्यानमार, कम्बोडिया, थाईलैंड, वियतनाम व आस्ट्रेलिया में भी पाए जाते हैं । सैफई के निकट समान कटरा वेटलेंड क्षेत्र पर सारस विश्व में सबसे अधिक संख्या में पाए जाते हैं। यही कारण है कि सैफई में विश्व स्तर की कान्फ्रेंस आयोजित की गई । उत्तर प्रदेश का इटावा जिला सारस पक्षी के सबसे बडे आशियाने के तौर पर देश

दुनिया के मानचित्र पर काबिज है।सुप्रीम कोर्ट ने वर्ष 2002 में इटावा के सभी तालाबों,झाबरों को ऊसर सुधार योजना के तहत समाप्त किया जा रहा था तब इलाहबाद उच्च न्यायालय में बाइल्ड ट्रस्ट आफॅ इडिण्या ने एक याचिका दायर कर इस परियोजना से तालाबों को होने वाले नुकसानों को रोकने की पहल की।

किसानों का मित्र माना जाने वाले सारस का वजन औसतन 12 किग्रा, लम्बाई 1.6 मीटर तथा जीवनकाल 35 से 80 वर्ष तक होता है। सारस वन्य जीव संरक्षण अधिनियम 1972 की अनूसूची में दर्ज हैं। देश में सारस की 6 प्रजातियां है। इनमें से 3 प्रजातियां इंडियन सारस क्रेन,डिमोसिल क्रेन व कामन क्रेन है, भारतीय उपमहादीप में सारस पक्षियों की अनुमानित संख्या 8 हजार है,इनमें अकेले इटावा में 2500 सारस है अनूकूल भौगोलिक परिस्थितियां सारसों को अपनी ओर आकर्षित करती रहती है।

रिज़र्व बैंक ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

सरकार की योजना है कि इन्हें कम कर के, इसकी संख्या एक कर दी जाये। उन्होंने कहा कि आर.बी.आई. ने साफ तौर पर कहा है कि ऐसा करना सर्वनाश को आमन्त्रण देना है। उन्होंने कहा कि मोदी सरकार ने हमेशा ही अपनी "मनमानी" की है क्योंकि इसने नोट बंदी के मामले में भी आर.बी.आई. की सलाह नहीं मानी थी। इस बीच, आर.बी.आई. ने शुक्रवार को स्पष्ट किया कि "सम्बन्धित लेख में व्यक्त विचार लेखकों के विचार हैं तथा वे विचार भारतीय रिजर्व बैंक के विचारों का प्रतिनिधित्व नहीं करते।" सम्बन्धित लेख आर.बी.आई. के मासिक बुलेटिन में प्रकाशित हुआ था तथा इसके लेखक स्नेहल एस हरवाडकर, सोनाली गोयल तथा रिषुका बंसल हैं, जो आर.बी.आई. के डिपार्टमेंट ऑफ इकॉनॉमिक एंड पॉलिसी रिसर्च की बैंकिंग रिसर्च डिवीजन में कार्यरत हैं।

7 लाख ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

ट्रेन से गिर गया। इसकी वजह से उसका टखने तक दायां पांव और बाएं हाथ की चार अंगुलियां कट गईं। ऐसे में उसे मुआवजा दिलाया जाए। जवाब में रेलवे की ओर से कहा गया कि, दुर्घटना का कोई गवाह नहीं है। इसके अलावा रिकॉर्ड में ऐसी कोई दुर्घटना दर्ज नहीं है। इसलिए ऐसे में क्लेम याचिका को खारिज किया जाए। तथापि, दोनों पक्षों को सुनने के बाद अधिकरण ने रेलवे को हर्जाना राशि अदा करने को कहा।

राष्ट्रदूत (एच.यू.एफ.) के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक सोमेश शर्मा द्वारा वतन प्रेस, सुधर्मा, एम.आई.रोड़, जयपुर एवं सुधर्मा-II, लालकोठी शॉपिंग सेंटर, टोंक रोड़, जयपुर से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक:- राजेश शर्मा । आर.एन.आई. नं. 3641/57, ई-मेल-rastrdut@gmail.com कोटा कार्यालय:-पलायथा हाउस, छत्रपति शिवाजी मार्ग, कोटा। फोन:2386031, 2386032, फैक्स:0744-2386033 बीकानेर कार्यालय:-कुंम्भाना हाउस, हनुमान हत्था, बीकानेर। फोन:2200660, फैक्स: 0151-2527371 उदयपुर कार्यालय:-आयड, मेन रोड आयड, उदयपुर। फोन: 2413092, 2418945, फैक्स: 0294-2410146 अजमेर कार्यालय:-घूघरा घाटी, जयपुर रोड,अजमेर। फोन: 2627612, फैक्स:0145-2624665 जालोर कार्यालय :- जी 1/63, इन्डस्ट्रीयल एरिया, फेस प्रथम, जालोर। फोन: 226422, 226423, फैक्स: 02973-226424 हिण्डौनसिटी कार्यालय :- जी -1-201, रीको औद्योगिक क्षेत्र, हिण्डौनसिटी। फोन: 230200, 230400, फैक्स: 07469-230600 चूरू कार्यालय: एच-150, रीको औद्योगिक क्षेत्र, चूरू, फोन: 256906, 256907, फैक्स:01562-256908